पाठ ७ वाह, मेरे घोड़े!

कविता का सारांश

इस कविता में एक सवार अपने घोड़े की प्रशंसा करता है। कविता की शुरुआत में सवार घोड़े की ताल की प्रशंसा करता है। वह कहता है कि घोड़े की चाल कितनी सुंदर है। फिर वह घोड़े से नैनीताल जाने के लिए कहता है। नैनीताल एक सुंदर पहाड़ी शहर है। सवार घोड़े से चने की दाल खाने के लिए भी कहता है। चने की दाल एक पौष्टिक खाद्‍य पदार्थ है जो घोड़े की शक्ति को बढ़ा सकता है। अंत में, सवार घोड़े से कहता है कि वह चने की दाल खाकर अपना कमाल दिखाए।

शिक्षा :- इस कविता का सरल सा संदेश यह है कि हमें अपने पालतू जानवरों की देखभाल और सम्मान करना चाहिए। उन्हें प्यार और स्नेह देना चाहिए।

शब्दार्थ:

- कदम - डग
- चाल - चलने की ढंग
- घोड़ा - अश्व
- कमाल – अद्भुत
- नैनीताल - एक सुंदर पहाड़ी शहर

प्रश्न-अभ्यास

शब्दों का खेल

1. नीचे दिए गए शब्दों को ध्यान से सुनिए। इन शब्दों की पहली और अंतिम ध्वनि पहचानिए –

ताल, चाल, दाल, कमाल

उत्तर :-

शब्द	पहली ध्वनि	अंतिम ध्वनि
ताल	त	ल
चाल	च	ल
दाल	द	ल
कमाल	क	ल

ऐसे शब्द लिखिए जिनकी अंतिम ध्वनि इन शब्दों (ताल, चाल, दाल, कमाल) जैसी हो –

उत्तर :- चाल, ढाल, गाल, बाल आदि शब्द हैं।

2. 'त', 'घ' 'ड़' की ध्वनि वाले शब्दों को पहचानिए और लिखिए –

घोड़ा	**ताला**	**पेड़**	**डाल**	**दाल**
तोता	**घर**	**धागा**	**सड़क**	

उत्तर :- घोड़ा, ताला, पेड़, तोता, घर, सड़क

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com